No. of Printed Pages : 10

MTT-031

P. G. CERTIFICATE IN TRANSLATION AND ADAPTATION (PGCAR)

Term-End Examination

June, 2022

MTT-031 : VARIOUS DIMENSIONS OF TRANSLATION AND IN PAPER ADAPTATION

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *Attempt any **three** questions from Question Nos. **1** to **6**. Question Nos. **7** and **8** are compulsory. Answer long answer questions (**1** to **6**) in about **700** words and short notes in about **350** words each. All questions carry equal marks.*

---

1. Illuminate the meaning and nature of Translation.

2. Discuss the process and importance of Vetting.

3. Examine the Cultural Turn in Translation.

4. Discuss the context of Adaptation in Translation.

5. Discuss the various dimensions of Intermedial Translation.

6. Write a detailed note on the meaning and importance of Copyright.

7. Write short notes on any ***two*** of the following :

   (a) Fidelity *vs*. Sincerity in Translation

   (b) Machine Translation

   (c) Role of Adapter

   (d) Broadcasting Agencies and License of Translation

8. (a) Translate any ***one*** of the following passages into Hindi :

   One morning the Giant was lying awake in bed when he heard some lovely music. It sounded so sweet to his ears that he thought it must be the King's musicians passing by. It was really only a little linnet singing outside his window, but it was so long since he had heard a bird singing in his garden that it seemed to him to be the most beautiful music in the world. Then the Hail stopped dancing over his head,

and the North Wind ceased roaring, and a delicious perfume came to him through the open casement. "I believe the Spring has come at last," said the Giant; and he jumped out of bed and looked out.

Or

I was born in the year 1632, in the city of York, of a good family, though not of that country, my father being a foreigner of Bremen, who settled first at Hull. He got a good estate by merchandise, and leaving off his trade, lived afterwards at York, from whence he had married my mother, whose relations were named Robinson, a very good family in that country, and from whom I was called Robinson Kreutznaer; but, by the usual corruption of words in England, we are now called–nay, we call ourselves and write our name–Crusoe; and so my companions always called me.

(b) Translate any ***one*** of the following passages into English :

दूसरे दिन हम घोड़ों पर सवार होकर ऊपर की ओर चले। डाँड़े से पहले एक जगह चाय पी और दोपहर के वक्त डाँड़े के ऊपर जा पहुँचे। हम समुद्रतल से 17-18 हजार फीट ऊँचे खड़े थे।

हमारी दक्खिन की तरफ पूरब से पश्चिम की ओर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर चले गए थे। भीटे की ओर दीखने वाले पहाड़ बिल्कुल नंगे थे, न वहाँ बर्फ की सफेदी थी, न किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ बहुत कम बर्फ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थीं। सर्वोच्च स्थान पर डाँड़े के देवता का स्थान था, जो पत्थरों के ढेर, जानवरों की सींगों और रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियों से सजाया गया था। अब हमें बराबर उतराई पर चलना था। चढ़ाई तो कुछ दूर थोड़ी मुश्किल थी, लेकिन उतराई बिल्कुल नहीं। शायद दो-एक और सवार साथी हमारे साथ चल रहे थे। मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा। मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण ऐसा कर रहा है, और उसे मारना नहीं चाहता था। धीरे-धीरे वह बहुत पिछड़ गया और मैं दोन्क्विक्स्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था।

अथवा

बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएँगे। मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा। इसलिए

'पंचतंत्र' भी पढ़ा मैंने संस्कृत भी पढ़ी। ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी। मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस, दूसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी। तब पंडितजी आए संस्कृत पढ़ाने। माँ थोड़ी संस्कृत जानती थीं। गीता में उन्हें विशेष रुचि थी। पूजा-पाठ के समय मैं भी बैठ जाती थी और संस्कृत सुनती थी। उसके उपरांत उन्होंने मिशन स्कूल में रख दिया मुझको। मिशन स्कूल में वातावरण दूसरा था, प्रार्थना दूसरी थी। मेरा मन नहीं लगा। वहाँ जाना बंद कर दिया। जाने में रोने-धोने लगी। तब उन्होनें मुझको क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में भेजा, जहाँ मैं पाँचवें दर्जे में भर्ती हुई। यहाँ का वातावरण बहुत अच्छा था उस समय। हिंदू लड़कियाँ भी थों, ईसाई लड़कियाँ भी थीं। हम लोगों का एक ही मेस था। उस मेस में प्याज तक नहीं बनता था।

MTT-031

अनुवाद एवं रूपांतरण में स्नातकोत्तर प्रमाण-पत्र

(पी. जी. सी. ए. आर.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2022

एम. टी. टी.-031 : अनुवाद एवं रूपांतरण के विविध आयाम

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *प्रश्न संख्या **1** से **6** में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रश्न संख्या **7** व **8** अनिवार्य है। दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों (**1** से **6**)का उत्तर लगभग **700** शब्दों में तथा प्रत्येक संक्षिप्त टिप्पणी का उत्तर **350** शब्दों में दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।*

---

1. अनुवाद के अर्थ एवं स्वरूप पर प्रकाश डालिए।
2. अनुवाद पुनरीक्षण की प्रक्रिया एवं महत्व की चर्चा कीजिए।

3. अनुवाद में सांस्कृतिक मोड़ की विवेचना कीजिए।

4. अनुवाद में रूपांतरण के संदर्भ पर प्रकाश डालिए।

5. अंतरमाध्यम अनुवाद के विविध आयामों की चर्चा कीजिए।

6. प्रतिलिप्याधिकार के अर्थ और महत्व पर विस्तृत लेख लिखिए।

7. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

   (क) मूलनिष्ठ **बनाम** ईमानदार अनुवाद

   (ख) मशीनी अनुवाद

   (ग) रूपांतरणकर्ता की भूमिका

   (घ) प्रसारण प्राधिकरण और अनुवाद का लाइसेंस

8. (क) निम्नलिखित में से किसी **एक** अनुच्छेद का हिंदी में अनुवाद कीजिए :

   One morning the Giant was lying awake in bed when he heard some lovely music. It sounded so sweet to his ears that he thought it must be the King's musicians passing by. It was really only a little linnet singing outside his window, but it was so long since he had heard a bird singing in his garden that it seemed to him to be the

most beautiful music in the world. Then the Hail stopped dancing over his head, and the North Wind ceased roaring, and a delicious perfume came to him through the open casement. "I believe the Spring has come at last," said the Giant; and he jumped out of bed and looked out.

Or

I was born in the year 1632, in the city of York, of a good family, though not of that country, my father being a foreigner of Bremen, who settled first at Hull. He got a good estate by merchandise, and leaving off his trade, lived afterwards at York, from whence he had married my mother, whose relations were named Robinson, a very good family in that country, and from whom I was called Robinson Kreutznaer; but, by the usual corruption of words in England, we are now called–nay, we call ourselves and write our name–Crusoe; and so my companions always called me.

(b) Translate any ***one*** of the following passages into English :

दूसरे दिन हम घोड़ों पर सवार होकर ऊपर की ओर चले। डाँड़े से पहले एक जगह चाय पी और

दोपहर के वक्त डाँड़े के ऊपर जा पहुँचे। हम समुद्रतल से 17-18 हजार फीट ऊँचे खड़े थे। हमारी दक्खिन की तरफ पूरब से पश्चिम की ओर हिमालय के हजारों श्वेत शिखर चले गए थे। भीटे की ओर दीखने वाले पहाड़ बिल्कुल नंगे थे, न वहाँ बर्फ की सफेदी थी, न किसी तरह की हरियाली। उत्तर की तरफ बहुत कम बर्फ वाली चोटियाँ दिखाई पड़ती थीं। सर्वोच्च स्थान पर डाँड़े के दवता का स्थान था, जो पत्थरों के ढेर, जानवरों की सींगों और रंग-बिरंगे कपड़े की झंडियों से सजाया गया था। अब हमें बराबर उतराई पर चलना था। चढ़ाई तो कुछ दूर थोड़ी मुश्किल थी, लेकिन उतराई बिल्कुल नहीं। शायद दो-एक और सवार साथी हमारे साथ चल रह थे। मेरा घोड़ा कुछ धीमे चलने लगा। मैंने समझा कि चढ़ाई की थकावट के कारण ऐसा कर रहा है, और उसे मारना नहीं चाहता था। धीरे-धीरे वह बहुत पिछड़ गया और मैं दोन्क्विक्स्तो की तरह अपने घोड़े पर झूमता हुआ चला जा रहा था।

अथवा

बाबा कहते थे, इसको हम विदुषी बनाएँगे। मेरे संबंध में उनका विचार बहुत ऊँचा रहा। इसलिए

'पंचतंत्र' भी पढ़ा मैंने संस्कृत भी पढ़ी। ये अवश्य चाहते थे कि मैं उर्दू-फारसी सीख लूँ, लेकिन वह मेरे वश की नहीं थी। मैंने जब एक दिन मौलवी साहब को देखा तो बस, दूसरे दिन मैं चारपाई के नीचे जा छिपी। तब पंडितजी आए संस्कृत पढ़ाने। माँ थोड़ी संस्कृत जानती थीं। गीता में उन्हें विशेष रुचि थी। पूजा-पाठ के समय मैं भी बैठ जाती थी और संस्कृत सुनती थी। उसके उपरांत उन्होंने मिशन स्कूल में रख दिया मुझको। मिशन स्कूल में वातावरण दूसरा था, प्रार्थना दूसरी थी। मेरा मन नहीं लगा। वहाँ जाना बंद कर दिया। जाने में रोने-धोने लगी। तब उन्होनें मुझको क्रास्थवेट गर्ल्स कॉलेज में भेजा, जहाँ मैं पाँचवें दर्जे में भर्ती हुई। यहाँ का वातावरण बहुत अच्छा था उस समय। हिंदू लड़कियाँ भी थीं, ईसाई लड़कियाँ भी थीं। हम लोगों का एक ही मेस था। उस मेस में प्याज तक नहीं बनता था।